प्रारम्भ

वर्ष–25, अंक: अप्रेल 2021–मार्च 2022

सिकोईडिकोन परिवार की पत्रिका

cecoedecon

बालिकाओं को
आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण

समेकित ग्रामीण विकास सहभागी परियोजना (PIIRD)

समेकित ग्रामीण विकास सहभागी परियोजना के तहत चाकसू, फागी (जयपुर); निवाई, मालपुरा (टोंक) व शाहबाद (बारां) में संस्थागत विकास, मूल अधिकार व आजीविका सुरक्षा विषय के अंतर्गत किए गए महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैः–

संस्थागत विकास कार्यक्रम

जन संगठनों का प्रशिक्षण

सिकोईडिकोन संस्था शुरूआत से ही जन संगठनों का क्षमतावर्धन करते हुए, उन्हें विकास कार्यों से जोड़ने का काम करती आई है। इस हेतु संस्था द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण व कार्यशालाऐं आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में 19 अगस्त, 2021 को शीलकी डूंगरी में संस्था द्वारा एक– दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें किसान सेवा समिति, ग्राम विकास समिति व युवामंडल के सदस्यों ने शिरकत की। कार्यक्रम में सिकोईडिकोन से श्री गोविन्द विजय, विभूति जोशी व डॉ. आलोक व्यास ने संस्था द्वारा चलाई जा रही विकास की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी।

जनसंगठनों ने एक अभ्यास के माध्यम से पिछले वर्ष के कार्यों की उपलब्धियों, चुनौतियों व बाधाओं को चिन्हित किया व आगामी वर्ष के कार्यों की प्राथमिकताऐं तय की। इस अवसर पर पैरवी संस्था के निदेशक श्री अजय झा ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विकास के मुद्दों पर चर्चा की और जलवायु परिवर्तन से सामाजिक व आर्थिक स्तर पर आ रहे बदलावों व प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त किए। सिकोईडिकोन के निदेशक श्री पी. एम. पाल ने संगठनों को मूल्य आधारित दृष्टिकोण के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर आई आई एस विश्वविद्यालय की छात्राओं के साथ युवा संगठन के सदस्यों के बीच संवाद का आयोजन भी रखा गया, जिसमें युवा संगठन के सदस्यों ने जमीनी स्तर के मुद्दों व चिंताओं को प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय की छात्राओं ने विकास में तकनीकी ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

साथी संस्थाओं के साथ योजना बैठक

आगामी तीन वर्षों की प्राथमिकताऐं व कार्यों की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसंगठनों के साथ एक योजना बैठक का आयोजन सितम्बर, 2021 को स्वराज परिसर में रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से सतत विकास लक्ष्यों के नजरिए से धरातल के कामों को देखने व विकास लक्ष्यों को कार्य योजना का हिस्सा बनाने पर चर्चा की गई। सिकोईडिकोन के उपनिदेशक डॉ. आलोक व्यास ने सतत विकास लक्ष्यों की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला व पंचायत स्तर की कार्य योजनाओं में इन लक्ष्यों को शामिल करवाने में संगठनों की भूमिका के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

बजट अध्ययन केंद्र के डॉ. नेसार अहमद ने कोविड–19 के दौरान स्वैच्छिक जगत की चुनौतियों व कार्यशैली में बदलाव पर चर्चा की। इस अवसर पर विकास अध्ययन केंद्र के प्रो. मोतीलाल महामलिक ने सतत विकास लक्ष्यों की राजस्थान में प्रगति पर अपनी प्रस्तुति दी एवं इन विकास लक्ष्यों की मॉनिटरिंग व बेहतर क्रियान्वयन में जनसंगठनों व स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका पर अपने विचार रखे। राजस्थान के 10 जिलों से शामिल हुए प्रतिनिधियों ने एक अभ्यास के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राथमिकताएं चिन्हित की व प्रस्तुति दी।

हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक

प्रतिवर्ष की भॉति वर्ष 2021 की सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक 21–23 दिसम्बर को शीलकी डूंगरी स्थित संस्था परिसर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विभिन्न वैचारिक सत्र, अभ्यास सत्र व खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संस्था परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्था की उपाध्यक्षा डॉ. मीता सिंह द्वारा जेंडर समानता पर विशेष सत्र लिया गया, जिसमें लिंग समानता को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ष 2021 के कार्यों, उपलब्धियों व चुनौतियों पर विभिन्न प्रस्तुति दी गई। जनसंगठनों द्वारा अभ्यास सत्र के माध्यम से आगामी वर्ष की प्राथमिकताएं चिन्हित की गई।

वार्षिक बैठक में पैरवी के निदेशक श्री अजय झा ने जलवायु परिवर्तन पर अपना उद्‌बोधन दिया। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में संस्था के श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। संस्था की सचिव श्रीमती मंजू जोशी ने आगामी वर्ष में नई ऊर्जा व उत्साह से संस्था की पहचान बरकरार रखने व जनसंगठनों के साथ मिलकर सामूहिक सहभागिता से समाज के वंचित वर्ग के लिए एकजुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कोविड–19 पर जन जागरूकता

कोविड महामारी से बचाव हेतु भारत सरकार द्वारा चलाए गए टीकाकरण अभियान में किसान सेवा समिति व युवामंडल के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। इस अभियान के तहत् लोगों की समझाईश करते हुए उन्हें टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ टीके की उपलब्धता के लिए भी स्थानीय प्रशासन से मांग की। इस अभियान में युवा साथियों द्वारा मोबाइल के माध्यम से स्थानीय लोगों को टीकाकरण से जुड़ी जानकारियॉ उपलब्ध करवाई एवं गलत सूचनाओं व अफवाहों से बचने हेतु जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद लोगों को चिन्हित कर उन्हें सूखा राशन व अनाज वितरण का कार्य भी व्यापक स्तर पर किया गया। सहरिया बाहुल्य क्षेत्र शाहबाद में किसान सेवा समिति द्वारा वंचित परिवारों को राशन व मास्क वितरण का कार्य किया गया।

जागरूकता एवं मुद्दों की पैरवी

किसान सेवा समिति एवं युवामंडल द्वारा स्थानीय विकास के विभिन्न मुद्दों पर सरकार को संवेदनशील करने व लोगों को जागरूक करने की पहल की। जुलाई–अगस्त माह में आई तेज बारिश से बांरा जिले के शाहबाद में बाढ़ जैसे स्थितियॉ उत्पन्न हो गई, जिसमें हजारों लोगों की फसल, मवेशी व घर बर्बाद हो गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में जनसंगठनों ने स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने व उन्हें फसल का मुआवजा दिलवाने के प्रयास किये। 7000 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया व स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर उनके नष्ट हुए घरों की पुनः मरम्मत करवाई गई। पैट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों के लिए जन संगठनों द्वारा केन्द्र सरकार को स्थानीय प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपे गए। नरेगा के कार्यों को चालू करवाने, सड़कों की मरम्मत करवाने, सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने, बीसलपुर का पानी घर–घर तक पहुँचाने, चारागाह संरक्षण के लिए स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए।

इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा चलाए गए प्रशासन गांवों के संग अभियान में भी जन संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके तहत स्थानीय लोगों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं व जमीन के पट्टे वितरण में किसान सेवा समिति व युवा मंडल द्वारा गरीब–वंचित परिवारों की मदद की गई ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें।

जल संवाददाताओं की कार्यशाला

ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का संचार एवं तकनीकी क्षेत्र में कौशल निर्माण एवं स्थानीय विकास के मुद्दों पर क्षमतावर्धन करते हुए सिकोईडिकोन द्वारा युवा जल संवाददाताओं का समूह तैयार करने की पहल की गई है। इस पहल के तहत चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद के युवाओं की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, जल संरक्षण, खेती–किसानी व जेंडर से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई एवं व्यवस्थित संचार की तकनीकों के बारे में बताया गया।

पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद

स्थानीय विकास में पंचायत प्रतिनिधियों एवं जनसंगठनों के मध्य बेहतर तालमेल स्थापित करने और आपसी सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा और शाहबाद में पंचायत प्रतिनिधियों एवं जनसंगठनों के मध्य संवाद का आयोजन रखा गया। इस संवाद कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों के सरपंचों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किए जा रहे कार्यो का ब्यौरा दिया गया साथ ही जनसंगठनों द्वारा स्थानीय स्तर पर आ रही चुनौतियों व समस्याओं को बताया गया। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा इस पहल का स्वागत किया गया और स्थानीय स्तर के विकास कार्यों में सहयोग के लिए आश्वासन दिया।

सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक

किसान सेवा समिति और सिकोईडिकोन के संयुक्त तत्वावधान में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में स्थानीय स्तर के विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व व पुलिस विभाग से जुड़े विभिन्न सरकारी अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जनसंगठनों द्वारा स्थानीय विकास की योजनाओं में आ रही परेशानियों को रखा। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना है, जिसके माध्यम से स्थानीय लोगों व सरकार के मध्य एक सामन्जस्य स्थापित हो।

युवा सम्मेलन का आयोजन

युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नेतृत्व क्षमताओं के विकास हेतु संस्था द्वारा 11 फरवरी, 2022 को शीलकी डूंगरी स्थित संस्था परिसर में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 'हमारा संविधान और कर्त्तव्य' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शिप्रा माथुर द्वारा विशेष उद्‌बोधन दिया गया, जिसमें भारतीय संविधान से जुड़े विभिन्न तथ्यों व जानकारियों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया। चर्चा के दौरान संविधान में वर्णित मौलिक कर्त्तव्यों पर विशेष जोर दिया गया ताकि युवक–युवतियॉं उनसे प्रेरणा लेकर उन्हें अपने जीवन में उतार सके।

इसके अलावा युवा सम्मेलन के दौरान संगठन निर्माण व युवा संगठनों की स्थानीय विकास में भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर खेल–कूद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवा मंडल के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

युवाओं के साथ क्लाइमेट शाला का आयोजन

जलवायु संकट से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर समझ बनाने और समाज में जलवायु अनुकूलन हेतु वातावरण निर्माण करने के उद्देश्य से युवाओं के साथ 'क्लाइमेटशाला' की पहल की गई। क्लाइमेट शाला का आयोजन 12 फरवरी, 2022 से सिकोईडिकोन के शीलकी डूंगरी परिसर में किया गया। इस अवसर पर पैरवी संस्था के निदेशक श्री अजय झा ने जलवायु परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की और इस समस्या से जुड़े विभिन्न सवालों पर युवाओं से बातचीत की। श्री झा ने जलवायु परिवर्तन के सामाजिक व आर्थिक प्रभावों को बताते हुए कहा कि दुनिया में गैर बराबरी व अमीरी– गरीबी की खाई के बढ़ने में भी जलवायु परिवर्तन बहुत हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का संबंध हमारे पूरे जीवन चक्र से है। इसलिए इस समस्या पर समग्र दृष्टिकोण से विचार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर युवा साथियों के साथ एक अभ्यास सत्र भी रखा गया,

जिसमें व्यक्तिगत, सामाजिक व सरकारी स्तर पर जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए क्या करने की जरूरत है उसे चिन्हित व प्रस्तुत किया गया। क्लाइमेट शाला में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा, शाहबाद, पचकोडिया व टपूकड़ा के 80 से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

युवाओं का शैक्षणिक भ्रमण

युवाओं के समग्र विकास व सीखने की क्षमताओं को विकसित करने के उद्देश्य से संस्था द्वारा युवा मंडलों के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में निवाई व मालपुरा ब्लॉक के करीब 40 युवाओं ने सवाई माधोपुर में यूएनएफपीए के सहयोग से किशोरी बालिकाओं के साथ सिकोईडिकोन के नवाचार को देखा। सिकोईडिकोन के सवाई माधोपुर क्षेत्र के प्रभारी श्री श्याम सुंदर शर्मा द्वारा युवाओं को गर्ल फ्रेंडली पंचायत का भ्रमण करवाया गया। इस कार्यक्रम में युवा साथियों ने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, किशोरी बालिकाओं व जनसंगठनों से चर्चा की एवं गर्ल फ्रैंडली पंचायत की परिकल्पना को समझा। इसके अतिरिक्त सवाईमाधोपुर के दर्शनीय स्थलों का भी भ्रमण किया गया।

संस्था की विभिन्न शाखाओं में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च, 2022 को सिकोईडिकोन के विभिन्न शाखा कार्यालयों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, जनसंगठनों व सरकारी अधिकारियों की भागीदारी से विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित की गई। विभिन्न कार्यक्रमों में महिला अधिकार से जुड़े विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई, सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया गया व खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'मूल अधिकार' थीम के अन्तर्गत संपादित गतिविधियाँ

जन प्रतिनिधियों का क्षमतावर्धन

मालपुरा, फागी एवं चाकसू में 5 ग्राम पंचायतों के नव नियुक्त जन प्रतिनिधियों की क्षमतावर्धन के लिए कार्यशाला आयोजित की गयी, जिनमें लगभग 75 जन प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों द्वारा जेंडर, जेंडर आधारित भेदभाव, नेतृत्व क्षमता का विकास, जन प्रतिनिधियों के दायित्व एवं जिम्मेदारियॉ, सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी आदि पर उनके साथ चर्चा की गयी एवं उनका क्षमतावर्धन किया गया।

GPDP निर्माण हेतु मीटिंग

जेंडर समावेशी ग्राम पंचायत विकास प्लान (GPDP) बनाने हेतु पंचायत स्तर पर विभिन्न हितधारकों जैसे– महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, बच्चों समुदाय आधारित संगठनों, जन प्रतिनिधि आदि की भागीदारी के साथ मीटिंग करते हुये सभी पॉच ब्लॉक की 2–2 ग्राम पंचायतों (कुल 10 ग्राम पंचायत) का पूरे समुदाय की भागीदारी एवं जरूरतों को शामिल करते हुये 10 जेंडर समावेशी ग्राम पंचायत विकास प्लान (GPDP) बनाकर पंचायतों को सौंपा गया।

ड्रॉप आउट बच्चियों एवं अति गरीब बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान करना

शाहबाद ब्लॉक की सहरिया आदिवासी बालिकाएँ जो किन्हीं कारणवश स्कूल से ड्रॉप आउट हो गयी; उन्हें चिन्हित कर उनके

लिये शाहबाद परिसर में आवासीय कैम्प के द्वारा उनके लिए विशेष कक्षाएँ लगवायी जा रही हैं, जिसमें बच्चियों के लिए शिविर में ही शिक्षा के साथ–साथ, पौष्टिक भोजन, जरूरत के सभी सामान, वहीं पर ठहरने की व्यवस्था आदि उपलब्ध करवायी जा रही है। इस वित्तीय वर्ष में लगभग 30 बालिकाओं का नामांकन स्टेट ओपन बोर्ड में करवाया गया एवं उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस आवासीय कैम्प में उन्हें पाठ्यक्रम के अलावा जीवन कौशल शिक्षा, जेंडर भेदभाव, अधिकारों आदि की शिक्षा भी उपलब्ध करवायी जा रही है; जिससे वे स्वयं जागरूक होकर अपने अधिकारों के बारे में जानें एवं अन्याय के विरूद्ध दृढ़ता से अपनी आवाज उठा सकें।

संस्थागत एवं समुदाय में जेंडर संवेदनशील वातावरण का निर्माण करना

संस्थागत स्तर पर जेंडर आधारित मुद्दों पर स्टॉफ के साथ निरंतर मासिक समीक्षा बैठकों के दौरान बातचीत की जाती है। दिसम्बर महीने में संस्था की वार्षिक बैठक के दौरान जेंडर विशेषज्ञ डॉ.मीता सिंह द्वारा जेंडर एवं महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 पर संस्था में कार्यरत सभी स्टॉफ का आमुखीकरण किया गया। अधिनियम के अनुसार निर्देशों की पालना हेतु संस्था द्वारा बनायी गयी (CASH- Committee Against Sexual Harassment) पॉलिसी के बारे में भी सभी स्टॉफ को विस्तार से जानकारी दी गयी एवं संस्था में इस तरह की कोई घटना ना हो, इसको लेकर एक आंतरिक समिति का गठन भी किया गया एवं उसकी जानकारी सभी शाखा कार्यालयों के साथ साझा करते हुये ये निर्देश दिया गया कि संस्था में यौन–उत्पीड़न की कोई भी घटना ना हो उसके लिये निरंतर जागरूकता की जाए एवं ऐसी कोई घटना रिपोर्ट होने पर आंतरिक समिति द्वारा त्वरित आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

जेंडर आधारित हिंसा रोकने हेतु जागरूकता अभियान

समेकित ग्रामीण विकास सहभागी परियोजना (PIIRD) क्षेत्र के 4 ब्लॉक; मालपुरा, निवाई, फागी एवं चाकसू में समुदाय को जेंडर आधारित हिंसा को रोकने एवं जेंडर समानता को बढ़ाने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। यह जागरूकता अभियान 25 नवम्बर, 2021 से लेकर 10 दिसम्बर, 2021 तक चलाया गया। इसके अन्तर्गत जेंडर आधारित हिंसा को रोकने एवं जेंडर समानता को बढ़ाने के लिए जागरूकता मीटिंग एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 250 किशोरियों एवं 500 लोगों ने (CBOs) प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, फ्रंट लाईन कार्यकर्ता, स्त्री–पुरूष आदि) भाग लिया एवं शपथ लेते हुये हस्ताक्षर किया।

अभियान के दौरान, जेंडर भेदभाव, जेंडर आधारित हिंसा, हिंसा के दुष्प्रभाव, महिलाओं एवं बालिकाओं के लिये बनाये गये विभिन्न कानून, हिंसा से निपटने के लिये सुरक्षा प्रदान करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं जैसे– पुलिस, FLW, पंचायत, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र, अपराजिता महिला आयोग आदि के बारे में जागरूकता मीटिंग के दौरान जानकारी दी गयी।

फ्रंट लाईन कार्यकर्ता (FLWs) का क्षमतावर्धन

जेंडर आधारित हिंसा के मुद्दों पर समझ विकसित करने हेतु FLWs के साथ क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 4 ब्लॉक (मालपुरा, निवाई, चाकसू एवं फागी) की 5 ग्राम पंचायतों की लगभग 100 फ्रंट लाईन कार्यकर्ताओं(आशा, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साथिन) ने भाग लिया। परस्पर बातचीत एवं समूह कार्य द्वारा विभिन्न मुद्दों, जेंडर, जेंडर आधारित भेदभाव, घरेलू हिंसा, हिंसा के विभिन्न स्वरूप, महिलाओं एवं बालिकाओं के लिये बनाये गये कानून, जेंडर आधारित हिंसा को रोकने के लिये बनाये गये सहयोगी संस्थान एवं जेंडर आधारित हिंसा को रोकने में FLW की भूमिका आदि पर विस्तार से चर्चा की गयी।

किशोरी समूह का गठन एवं नियमित बैठकें

समेकित ग्रामीण विकास सहभागी परियोजना (PIIRD) के सभी पॉच ब्लॉक (चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा, शाहबाद) की प्रत्येक 5 ग्राम पंचायतों में किशोरियों की सूची बनाकर किशोरी समूहों का गठन किया गया। पाँच ब्लॉक में कुल 118 किशोरी समूहों का गठन किया गया है एवं इनके साथ प्रतिमाह नियमित बैठकें की जा रही है, जिसमें विभिन्न मुद्दों जैसे– स्वयं की पहचान, जेंडर, जेंडर भेदभाव, जेंडर आधारित हानिकारक प्रथाएँ, किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक बदलाव, घरेलू हिंसा, जीवन कौशल शिक्षा आदि पर चर्चा की जाती है, जिससे किशोरियॉ खुलकर अपनी समस्याओं को पहचान सके व उन पर कार्यवाही कर सके।

किशोरियों के साथ प्रजनन एवं यौनिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण

समेकित ग्रामीण विकास सहभागी परियोजना (PIIRD) परियोजना अन्तर्गत सभी 5 ब्लॉक में गठित किशोरियों के समूह के साथ ब्लॉक स्तर पर प्रजनन स्वास्थ्य विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत किशोरियों के साथ स्वयं की पहचान; अपनी ताकत एवं कमजोरी को पहचानना, किशोरावस्था में होने वाले बदलाव, माहवारी एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, प्रजनन तंत्र संक्रमण, प्रजनन एवं यौनिक अधिकार, जेंडर रोल्स, यौन हिंसा आदि विषयों पर परस्पर बातचीत, समूह कार्य, फिल्म प्रदर्शन आदि के द्वारा विस्तार से चर्चा की गयी, जिसमें सभी किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया एवं माहवारी एवं किशोरावस्था के दौरान होने वाले परिवर्तनों एवं अपनी परेशानियों को साझा किया एवं उन्हें इनसे निपटने के लिये परामर्श दिया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 200 किशोरियों ने भाग लिया।

स्वास्थ्य कैंप

किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों पर जागरूक करने के लिये चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद की सभी पॉचों ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर हैल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 किशोरियों की स्वास्थ्य जॉच, हीमोग्लोबीन जॉच, टी.टी. के टीके, स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध करवायी गयी। किशोरियों को आयरन एवं फोलिक एसिड की दवाईयॉ भी उपलब्ध करवायी गयी।

स्वास्थ्य कैंप के दौरान कोविड का टीका भी लगवाया गया एवं उन्हें पर्याप्त पोषण लेने व अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए भी परामर्श दिया गया।

आत्म रक्षा प्रशिक्षण

बालिकाओं के साथ बढ़ती हुयी छेड़खानी एवं यौनिक हिंसा की घटनाओं की वजह से किशोरियों पर कई तरह की पाबंदिया लगायी जाती है। इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए एवं किशोरियों में आत्म विश्वास बढ़ाने के लिये सभी ब्लॉक में

किशोरियों के लिए आत्म रक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें अपनी आत्म रक्षा हेतु विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गयी, एवं उनका क्षमतावर्धन किया गया। सभी ब्लॉक में किशोरियों ने बड़े जोश एवं उत्साह के साथ इन प्रशिक्षणों में भाग लिया।

लगभग 625 किशोरियों ने आत्म रक्षा प्रशिक्षण में भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति एवं स्कूल अध्यापिका द्वारा पंचायत व ब्लॉक स्तर पर ये प्रशिक्षण करवाये गये।

स्टोरी टेलिंग क्लब

सभी 5 ब्लॉक में बुजुर्गों के मुद्दों को ध्यान में रखकर उनके लिये सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ दिलवाने एवं परिवार, युवा, बच्चों एवं बुजुर्गों का आपस में जुड़ाव के लिये स्टोरी टेलिंग क्लब का गठन किया जा रहा है। बुजुर्गों के पास पुरानी बहुत सारी कहानियॉं, अनुभव एवं पारंपरिक तरीकों का भंडार है, लेकिन हमारी युवा पीढ़ी एवं बच्चे उस ज्ञान से वंचित हैं, अतः बुजुर्गों एवं युवा पीढ़ी व बच्चों के बीच परस्पर स्वस्थ संवाद स्थापित करने एवं उनकी जरूरतों को समझने के लिये युवाओं के साथ बैठक कर उन्हें इस विषय में संवेदनशील किया जा रहा है, एवं उनके सहयोग से 5 ब्लॉक की सभी 5 ग्राम पंचायतों में स्टोरी टेलिंग क्लब गठन के लिये उन्हें प्रेरित किया जा रहा है।

आजीविका सुरक्षा

उन्नत कृषि तकनीकों पर किसानों का प्रशिक्षण

किसानों को सतत कृषि के माध्यम से आय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सिकोईडिकोन द्वारा चिन्हित किसानों को विभिन्न कृषि तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के तहत बेहतर सिंचाई पद्धति, शुष्क कृषि तकनीक, जल प्रबंधन, खाद प्रबंधन आदि के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चाकसू, फागी, मालपुरा व शाहबाद के किसानों को दिया गया।

सहभागी तकनीकी विकास पर प्रशिक्षण

किसानों को नई तकनीक व परम्परागत ज्ञान के बीच तालमेल के साथ कृषि में नवाचार करने के उद्देश्य से सहभागी तकनीकी विकास पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामूहिक चर्चा, खेत भ्रमण व प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद को शामिल किया गया। यह प्रशिक्षण मालपुरा व शाहबाद ब्लॉक में आयोजित किया गया।

समेकित खेती को बढ़ावा देने हेतु स्मार्ट फार्मिंग मॉडल

सिकोईडिकोन द्वारा समेकित खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 किसानों को स्मार्ट फार्मिंग मॉडल के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिसके तहत उन्हें स्मार्ट फार्मिंग के प्रशिक्षण के साथ–साथ उन्नत बीज, फलों के पौधे, चारे की फसल के बीज आदि उपलब्ध करवाए जा रहे है। इसके अतिरिक्त वर्मी कम्पोस्ट व जैविक खाद भी उपलब्ध करवाया गया है। इस नवाचार के सकारात्मक परिणाम भी आने लगे हैं और कुछ किसानों की आय में 50,000 रूपए तक की वृद्धि हुई है।

पोषण वाटिका

भोजन में पोषणीय गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन द्वारा पोषण वाटिका की पहल की गई है, जिसके तहत 100 से अधिक किसानों को फल–सब्जी के बीज वितरित किए गए व उन्हें जैविक पद्धति से उगाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। यह नवाचार खेत के छोटे से अथवा घर के बाहर उपलब्ध भू–भाग के लिए दिया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी पर युवाओं का कौशल निर्माण

युवाओं में तकनीकी क्षेत्र में कौशल विकास हेतु संस्था द्वारा शाहबाद स्थित संस्था परिसर में कौशल विकास केंद्र से 38 युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें कम्प्यूटर प्रशिक्षण शामिल है। वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व व युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जयपुर चाइल्ड डवलपमेन्ट परियोजना

संस्था सिकोईडिकोन अप्रैल, 2019 से चाइल्ड फण्ड इंडिया (CFI) के सहयोग से जयपुर जिले के सांभर उपखण्ड के 20 गाँवों एवं अलवर जिले तिजारा व कोटकासिम उपखण्ड के 13 गाँवों में काम कर रही है। जयपुर में पचकोडिया एवं अलवर में टपूकड़ा में संस्था द्वारा स्थापित ब्रांच ऑफिस के माध्यम से परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के तहत् वर्तमान में 537 स्पॉन्सर बच्चों, उनके माता–पिता, भाई–बहन, अन्य अभिभावक तथा समुदाय के अन्य लोगों के साथ शिक्षा, बच्चों के अधिकार एवं बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आजीविका संवर्धन आदि मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य गतिविधियाँ:

- बच्चों पर हिंसा का प्रभाव एवं उन्हें हिंसा से बचाने के लिये अभिभावकों के साथ निरंतर इस मुद्दे पर बैठकें आयोजित कर उन्हें इस विषय पर संवेदनशील किया जा रहा है।
- बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्तर पर बाल सुरक्षा समितियों का गठन कर रखा है, एवं निरंतर हर महीने उनके साथ बैठकें आयोजित की जाती है।
- समुदाय में युवाओं एवं किशोर–किशोरियों के साथ विभिन्न मुद्दों जैसे–संविधान, हमारे अधिकार, बाल सुरक्षा, प्रजनन स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं उसके प्रभाव, पोषण, अपने घर एवं आस– पास की साफ–सफाई, जीवन कौशल आदि विषयों पर प्रतिमाह बैठकें आयोजित कर चर्चा करते हुये विभिन्न मुद्दों के प्रति समझ विकसित की जाती है।

- सभी गाँवों में बाल अधिकार क्लब, पीयर एजूकेटर समूह एवं युवा समूहों का गठन किया गया है, एवं निरंतर उनके साथ बैठकें की जाती है।
- पीयर एजूकेटर का विभिन्न मुद्दों पर क्षमतावर्धन किया गया एवं पीयर एजूकेटर प्रत्येक गाँव में अपने स्वयं के स्तर पर किशोर–किशोरियों के साथ मीटिंग कर उन्हें प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चर्चा करते है एवं उनसे निपटने के लिये योजना बनाते हैं।
- बच्चों की सामाजिक एवं भावनात्मक जरूरतों को समझने एवं उससे बेहतर तरीके से निपटने के लिये अभिभावकों के साथ निरंतर बैठकें आयोजित की जाती हैं।
- बच्चों एवं परिवारों के पोषण स्तर में सुधार करने के लिये उनके साथ चर्चा की जाती है, एवं अपने घर में ही पोषण वाटिका विकसित करने के लिए बच्चों के परिवारों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाये गये। 620 परिवारों को पोषण वाटिका विकसित करने के लिये उन्नत बीज उपलब्ध करवाये गये।
- युवा समूहों के सदस्यों का जलवायु परिवर्तन एवं उसके प्रभाव, समुदाय आधारित निगरानी एवं पैराकारी प्रक्रिया आदि विषयों पर क्षमतावर्धन किया गया, जिसमें 193 युवा सदस्यों ने भाग लिया।
- बच्चों के शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिये उन्हीं के क्षेत्र में लर्निंग सेंटर स्थापित कर एवं कोचिंग सेंटर के माध्यम से उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सहयोग प्रदान किया गया।

- समुदाय में विभिन्न स्टेकहोल्डर्स जैसे– पंचायत के सदस्यों, शाला प्रबंधन समिति, VHNSC, सेवा प्रदाता जैसे– ANM, ASHA, AWW आदि के साथ भी निरंतर मीटिंग आयोजित कर उन्हें बाल सुरक्षा एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है।
- किशोरियों को ASHA एवं ANM के माध्यम से निरंतर आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियों एवं सैनेटरी नेपकिन का वितरण किया जा रहा है, सेवा प्रदाताओं के साथ किशोरियों का अच्छा समन्वयन स्थापित हुआ है, एवं वे बेझिझक अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को उनके साथ साझा करते हैं।
- युवाओं एवं किशोरों के साथ Career Guidance हेतु मीटिंग का आयोजन किया गया एवं उन्हें मार्गदर्शन किया गया, जिससे वे स्वयं अपनी रूचि एवं कौशल को पहचान कर उसे हासिल करने के लिए प्रयास करें।
- बच्चों की सामाजिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 590 बच्चों को प्लब्स किट (नोटबुक, ड्राइंग बुक, कलर, पेन–पेंसिल, क्रफ्ट पेपर, ड्राईंग बुक,ज्योमेट्री बॉक्स, लूडो आदि) का वितरण किया गया। लगभग 590 बच्चों को IGCL किट वितरण किया गया। इसके माध्यम से बच्चों में ज्ञान की वृद्धि रचनात्मकता एवं नये कौशलों का विकास हो पायेगा।
- आजीविका संवर्धन हेतु अपने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिये 35 युवतियों को सिलाई मशीन एवं सहायक सामग्री जैसे– कपड़ा, कैंची, प्रेस, धागा आदि दिया गया एवं वे सभी आज सिलाई कर रही हैं व अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं।

एल्डर केयर परियोजना करौली

ग्रामीण समुदाय में वृद्धजनों के सामाजिक व आर्थिक जीवन स्तर में वृद्धि करने हेतु दिसम्बर, 2020 से_करौली जिले की करौली, मासलपुर व मण्डरायल ब्लॉक में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज फाउण्डेशन के सहयोग से एल्डर केयर परियोजना की शुरुआत की गई। इस परियोजना के माध्यम से करौली व मासलपुर ब्लॉक के 212 गाँवों में एवं मण्डरायल ब्लॉक के 77 गांवों में वृद्धजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा व क्षमताओं को बढाना ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सके।

एल्डर केयर परियोजना के उद्धेश्य

- गांवों में वृद्धजनों की आर्थिक विषमताओं को दूर करते हुए उनको आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना।
- गांवों में वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु अर्न्तपीढ़ी संबंध स्थापित करना व समुदाय आधारित सहयोग तंत्र विकसित करना।
- वृद्धजनों के विभिन्न मुद्दों को सुलझाने हेतु एक साझा मंच तैयार करना ताकि उन्हें अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर मिल सके।
- एनएसईएफ (NSEF) की अन्य साथी संस्थाओं द्वारा वृद्धजनों के साथ स्वास्थ्यवर्धन व अन्य कल्याणकारी गतिविधियों में सहयोग प्रदान करना।

एल्डर केयर परियोजना की मुख्य गतिविधियां

- 289 गांवों मे 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों के स्वंय सहायता समूह (ESHG) का गठन एवं उनकी मासिक बैठकों का आयोजन करना।
- 289 गांवों में युवा मण्डलों का गठन एवं इनके साथ समय–समय पर बैठकें आयोजित करना।
- सामाजिक संबंधों को बढ़ाने व वृद्धजनों की देखरेख हेतु गांव स्तर पर सामुदायिक सत्रों का आयोजन।
- वृद्धजनों को उनके अधिकारों की प्राप्ति हेतु जागरुक करना एवं उनको विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलवाना।
- अर्न्तपीढ़ी संबंधों को बढावा देने हेतु बच्चों व वृद्धजनों के साथ स्टोरी टेलिंग सत्रों का आयोजन करना।
- पंचायती राज संस्थाओं के साथ मिलकर वृद्धजनों से जुड़ी समस्याओं के सामाधान हेतु प्रयास करना।

संस्था द्वारा किये गये प्रयास

- 196 गांवों में वृद्धजन स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उनकी नियमित बैठकों के माध्यम से वृद्धजनों को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक कर गांव में अन्य वृद्धजनों की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान हेतु प्रेरित किया गया जिसमें करौली ब्लॉक में अब तक समूहों के प्रयासों से 128 वृद्धजनों को विभिन्न सरकारी योजना से जोड़कर लाभान्वित करवाने का कार्य किया गया।

- 165 गांवों में युवा समूहों का गठन कर उनको वृद्धजनों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील करने का प्रयास किया गया, जिसके परिणामस्वरुप युवा गांवों में वृद्धजनों को दवाई, आखों की जांच करवाना, एल्डर लाईन के बारे में जानकारी देकर मदद करने लगे हैं।
- दिनांक 1 अक्टूबर को एल्डर डे पर गांवों में वृद्धजनों को माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया इससे समाज में संस्था के प्रति व वृद्धजनो के प्रति एक अच्छा संदेश पहुंचाना है एवं युवा वृद्धजनों के प्रति अधिक संवेदनशील हुये हैं।
- 166 गांवों में स्टोरी टेलिंग सत्रों के माध्यम से वृद्धजनों के पास जो ज्ञान था, उसके बच्चों के साथ बांटा गया इससे बच्चों को नैतिक शिक्षा दिलवाने का प्रयास किया गया इससे अन्तर पीढी संबंधों को बढावा मिला है, साथ ही बच्चे वृद्धजनों का सम्मान करने लगे हैं।

यू एन एफ पी ए के सहयोग से संचालित परियोजना

स्वास्थ्य एवं लैंगिक समानता पर बेहतर वातावरण निर्माण और व्यवस्थाओं को सशक्त करने हेतु यू एन एफ पी ए के सहयोग से समग्र दृष्टिकोण से संचालित परियोजना के तहत सवाई माधोपुर में विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियॉ आयोजित हुई :–

गर्ल फ्रेंडली ग्राम पंचायतों का विकास

बेटी बचाओ, बेटी पढाओ कार्यक्रम के तहत बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण निर्माण करने के उद्देश्य से सवाईमाधोपुर की 7 ग्राम पंचायतों को गर्ल फ्रेंडली ग्राम पंचायत के रूप में तैयार करने हेतु चिन्हित किया गया। इसके तहत जनसमुदाय, पंचायत प्रतिनिधि व जन संगठनों का सहयोग किया जा रहा है। बेटियों के प्रति लोगों के व्यवहारगत बदलाव की इस मुहिम में पंचायत स्तर पर कार्यरत शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन का लिंग समानता, बाल विवाह, लिंग आधारित हिंसा, जेन्डर सेफ्टी ऑडिट जैसे विषयों पर प्रशिक्षण व कार्यशालाएं आयोजित की गई है। इसके अतिरिक्त बेटी के जन्म पर बधाई संदेश व मीना मंच की बैठकों से स्थानीय स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव देखा गया है। ग्रामीण स्तर पर बालिकाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रयास में संस्थागत प्रणालियों को सशक्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर बनी विभिन्न समितियों का भी आमुखीकरण किया जा रहा है। गर्ल फ्रेंडली पंचायत के सफल प्रयोग को देखते हुए इस प्रयास को सवाई माधोपुर की 50 अन्य ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जा रहा है।

पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण

ग्राम पंचायत डवलपमेंट प्लान को जेंडर समावेशी बनाने और पंचायत प्रतिनिधियों का क्षमतावर्धन करने के उद्देश्य से जिला व ब्लॉक स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सवाई माधोपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे पूर्व 34 प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

जिला संदर्भ केन्द्र में पीयर एजूकेटर्स का भ्रमण

करौली के जिला अस्पताल में स्थापित जिला संदर्भ कन्द्र में करौली के 6 ब्लॉक के पीयर एजूकेटर्स का भ्रमण हुआ जिसमें 226 पीयर एजूकेटर्स ने भाग लिया। इस भ्रमण कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य व जीवन कौशल पर विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया गया।

परिवार नियोजन परामर्शदाताओं का आमुखीकरण

कोविड महामारी की परिस्थितियों में परिवार नियोजन से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम व बेहतर बनाने के उद्देश्य से 17 से 18 अगस्त, 2021 को सिकोईडिकोन के जयपुर स्थित परिसर में परिवार नियोजन परामर्शदाताओं का आमुखीकरण रखा गया। आमुखीकरण में सामुदायिक क्षेत्र को सशक्त करने, समझाईश करने व कोविड के दौरान त्वरित सेवाऐं उपलब्ध करवाने पर जोर दिया गया।

राज्य महिला नीति पर नोडल अधिकारियों का आमुखीकरण

राज्य महिला नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से 27 दिसम्बर, 2021 को जयपुर में नोडल अधिकारियों के साथ आमुखीकरण कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में महिला नीति की मार्गदर्शिका व इस नीति से जुड़े सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी कार्यक्रम में लिंग आधारित हिंसा पर विशेष सत्र का आयोजन रखा गया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्यों का आमुखीकरण

जीवन कौशल को बालिकाओं के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में जोड़ने व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कार्यक्रम को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 16 व 17 दिसम्बर को इन विद्यालयों के 242 प्रधानाचार्यों का आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के विभिन्न घटकों पर अपने विचार व्यक्त किए।

रक्षण परियोजना

रक्षण परियोजना जयपुर और टोंक (जि.) के 28 गाँवों में क्रियान्वित है, जिसमें जयपुर जिले के 3 गाँव और टोंक जिले के 25 गाँव शामिल हैं। रक्षण परियोजना बच्चों के सर्वांगीण विकास को मद्देनजर रखते हुए बच्चों, उनके अभिभावक, शिक्षक और पंचायत राज तंत्र के साथ मिलकर एक बाल मित्र ग्राम पंचायत बनाने के प्रति कार्यरत है।

इसी संदर्भ में वर्ष 2021–22 में की गई गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :–

- रक्षण परियोजना में आजीविका के संदर्भ में 540 परिवारों को किचन गार्डन बीज बाँटे गए। इस प्रकार करीब 90 परिवारों ने अपने बाड़े को और बडा किया एवं टीम द्वारा उन्हें स्वयं बीज बचाकर खुद किचन गार्डन का प्रयोग के लिए प्रेरित किया।
- महिलाओं के लिए हाथकी गॉव में खुशबू स्वयं सहायता समूह द्वारा एक मसाला यूनिट का अनावरण किया गया।
- महिलाओं ने सेनेट्री नेपकीन बेचकर रू. 5000/– तक की आय की।
- बकरी पालन में 12 परिवारों को बकरी वितरण एवं उनसे जन्मी बकरी का दूसरे व्यक्ति को देने का प्रावधान पूर्ण किया।

- सब्जी प्रदर्शनी में मेहरू गाँव की श्रवणी देवी ने रू.1,00,000/– का टमाटर बेचकर लाभ कमाया। गत वर्ष उनका खरीफ़ में लाभ मात्र रू. 25,000/– था।

बाल अधिकार के अंतर्गत :–

- बाल मेले में कुल 539 बच्चों की भागीदारी रही जो कि मालपुरा, निवाई, कोटखावदा एवं फागी में मनाया गया।
- बच्चों का राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में भ्रमण– मालपुरा से 20 बच्चों ने बाल आयोग के स्थापना दिवस पर आयोग की अध्यक्षा श्रीमती संगीता बेनीवाल एवं अन्य सदस्यों के साथ मुलाकात की।
- रक्षण परियोजना के अंतर्गत 'सुरक्षित खेल स्थान' विकसित किया गया। उसके कारण स्कूलों में नामांकन बढ़ा है और सरकार द्वारा उस ढ़ांचे की प्रशंसा की गई है।
- ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं स्कूल प्रबंधन समिति की बैठकें जो कि पहले नियमित नहीं होती थी, अब वे नियमित हो गई है, जिससे बच्चों के मुद्दे हल होना शुरू हुए हैं।
- बच्चे एवं युवा अपने मुद्दे बाल पंचायत एवं युवा मंडल में उठाते हैं। अब ये बाल पंचायतें इतनी सशक्त हुई हैं कि अवैध अतिक्रमण, नालों की सफाई आदि की आवाज उठा कर पंचायत से अपना काम भी करवाने लगी हैं।

चाईल्ड लाइन–1098, जैसलमेर

जरुरतमंद बच्च्चों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्ड लाईन 1098 का जैसलमेर केन्द्र, सिकोईडिकोन द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस हेल्प लाइन के माध्यम से 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक–01 बच्चें को चिकित्सा सहायता, 15 बच्चों को पुनर्वास, 1 बच्चे का पुनर्वास नेपाल में, 97 बच्चों को शोषण से सुरक्षा, 15 बच्चों को छात्रवृत्ति, 05 बच्चों को भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन, 43 बच्चें कोविड–19 से प्रभावित एवं कोविड से अनाथ बच्चों को सहायता एवं 49 बच्चों को अन्य केस केटेगरी में सुविधा प्रदान की जा चुकी है। अभी तक कुल–225 जरुरतमंद बच्चों को चाइल्ड लाईन, जैसलमेर द्वारा सहायता प्रदान की जा चुकी है।

चाइल्ड लाइन 1098 टीम द्वारा 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक के कार्यकाल में किए गए कार्यो का विवरण :–

- चाईल्ड लाइन 1098 टीम द्वारा कोरोना महामारी एंव ओमिक्रोन से रोकथाम एवं बचाव के लिए विभिन्न कार्यक्षेत्रों में आऊटरीच के दौरान जागरुकता अभियान आयोजित किए गए ।
- चाईल्ड लाइन 1098 द्वारा मुख्य चिकित्या एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में कोविड–19 महामारी की तीसरी लहर से बच्चों के लिए सुरक्षात्मक उपाय करने की दृष्टि से पत्र–व्यवहार किया गया। जिसके अन्तगर्त जिले में शिशु अस्पताल की व्यवस्था की गई, सामान्य अस्पताल के शिशुवार्ड में वेंटीलेटर, ऑक्सीजन, चिकित्सक, नर्सिंगकर्मी जैसी आधारभूत सुविधाओं का अभाव न हो, और बच्चों के गंभीर स्थिति में पहुँचने से पूर्व ही समय पर आईसीयू, सीसीयू, वेंटीलेटर, ऑक्सीजन एवं आवश्यक दवाओं की उचित प्रबन्ध की व्यवस्था हो, जिससे बच्चों को समय पर उचित इलाज मिल सकें।
- बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार दिनांक 14.07.2021 से 16.07.2021 तक नाबालिग बालकों को बालश्रम से मुक्त करवाने हेतु पुलिस प्रशासन,बाल अधिकारिता विभाग, श्रम कल्याण विभाग एवं चाईल्ड लाइन 1098 टीम (विशेष दल) का गठन करके विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया।
- माह–मई में चाइल्ड लाइन टीम को एक गुमशुदा बालक रेलवे स्टेशन पर मिला, जिसे सीडब्ल्यूसी के आदेशानुसार चाइल्ड लाइन टीम द्वारा माह–सितम्बर में उसे वापिस अपने निवास स्थान काठमांडू, नेपाल पुलिस के समक्ष बालक के चाचा को सुपुर्द किया गया।
- 11 अक्टूम्बर, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस को जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग, के साथ मिलकर चाइल्ड लाइन द्वारा मेरी बेटी मेरा सम्मान कार्यक्रम में मुख्य भूमिका का निर्वहन किया गया।
- चाइल्ड लाइन, 1098 द्वारा बाल अधिकार सप्ताह (14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2021) की शुरुआत जिला बाल संरक्षण इकाई एंव चाइल्ड लाइन, के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय किशोर एवं संप्रेक्षण गृह में आयोजित किया गया।
- चाइल्ड लाइन 1098 टीम द्वारा किशनी देवी मगनीराम मोहता राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित असेसमेंट कम मेडिकल शिविर में विशेष आवश्यकता वाले बालकों को उनकी आवश्यकता के अनुरुप राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं एवं विभिन्न भत्तों की जानकारी प्रदान की गई एवं दिव्यांग रजिस्ट्रेशन करवाने में सहयोग किया गया।
- चाईल्ड लाइन 1098 जैसलमेर टीम द्वारा इस अवधि के दौरान 16 बालक–बालिकाओं का पुनर्वास करवाने में सहयोग किया गया।
- चाइल्ड लाइन टीम द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डाबला में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महोदय ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं को कानूनी जानकारी देते हुए पी.सी.पी.एन.डी.टी.– 1994 और बाल अधिकारों के बारें में विस्तार से बताया।

विधिक साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम

कार्यक्रम परिचय

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की न्याय तक सुगम पहुंच हो सके इसके लिए भारत सरकार के न्याय विभाग ने "Designining Innovative Solutions and Holistic Access to Justice (DISHA)" शीर्षक से 2021– 2026 की अवधि के लिए एक सुसंगत योजना तैयार की है। इस योजना का उद्देश्य न्याय विभाग द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे अलग–अलग न्याय घटकों का विलय करना है ताकि न्याय प्रदान करने में आ रही समस्याओं को हल किया जा सके। इस योजना के माध्यम से स्थानीय प्रशासन के साथ साझेदारी बनाकर विधिक साक्षरता को मुख्यधारा में लाने के लिए मौजूदा कार्यबल, जमीनी स्तर/फ्रंटलाइन कार्यकर्ता/स्वयंसेवकों का कानूनी साक्षरता और कानूनी जागरूकता के मुद्दों पर प्रशिक्षण व संवेदीकरण किया जाएगा ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। राजस्थान में यह कार्यक्रम न्याय विभाग, भारत सरकार के सहयोग से सिकोईडिकोन द्वारा चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम उद्देश्य

- राजस्थान के 5 आकांक्षी जिलों (करौली, बारां, जैसलमेर, सिरोही, धौलपुर) की ग्रामीण आबादी की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- उपरोक्त लाभार्थियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए 260 चयनित पंचायतों के स्थानीय शासन प्रतिनिधियों की संवेदनशीलता को बढ़ाना।
- कानूनी चैनलों तक पहुँचने में स्थानीय समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए 500 युवा स्वयंसेवकों का एक सवंर्ग बनाना।
- लाभार्थियों के कानूनी अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण और अन्य सरकारी विभागों व मीडिया के साथ संबंध स्थापित करना।

इस कार्यक्रम की शुरूआत जैसलमेर जिले से मार्च, 2022 में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित बैठक से की गई। इस बैठक में विभिन्न सरकारी विभाग के प्रतिनिधि स्वयंसेवी संगठन व जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें इस कार्यक्रम के उद्देश्य, कार्ययोजना व संभावित परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त जैसलमेर की चिन्हित पंचायतों में महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों के विधिक अधिकारों पर सरकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु अभियान ढ़ाणी बैठकें व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ चर्चाऐं शुरू की गई है। यह कार्यक्रम जैसलमेर की 30 ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा है।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, जैसलमेर, राजस्थान

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियम एवं अनुदान योजना संशोधित, 2017 के अन्तर्गत महिला सुरक्षा एवम् सलाह केन्द्र, जैसलमेर का संचालन सिकोईडिकोन संस्था के द्वारा एवं कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, जैसलमेर, राजस्थान सरकार के सौजन्य से संचालित किया जा रहा है। महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र का उद्देशय सामाजिक व पारिवारिक स्तर पर हिंसा से संरक्षण प्रदान कराये जाने में सहयोग देना है।

माह– अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक दर्ज प्रकरणों की वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है– महिला सुरक्षा एवम् सलाह केन्द्र, जैसलमेर के माध्यम से 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक कुल दर्ज प्रकरणों की संख्या–89,

निस्तारण प्रकरणों की संख्या–59, एफ.आई.आर. दर्ज प्रकरण–21, पेंडिंग (अनिर्णित) विचाराधीन–09

सुरक्षा सखी कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला समूह की बैठकें नियमित रूप से सम्बन्धित थाने में थानाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें महिलाओं को सुरक्षा सखी कार्यक्रम तथा महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों की जानकारी दी गई। मीटिंग के दौरान बताया गया, कि सुरक्षा सखियों का कर्त्तव्य व दायित्व हैं, कि महिलाओं को उनके अधिकारों व उनके लिए बनाये गए कानूनों को लेकर जनजागरण करें। इस मीटिंग के अन्तर्गत महिला सुरक्षा के संबंध में जिला पुलिस द्वारा किए जा रहे नवाचारों के बारे में बताया तथा महिलाओं के कानूनी प्रावधानों एवं महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

थार उन्नति परियोजना, बीकानेर

संस्था सिकोईडिकोन बीकानेर जिले के 11 गांवों में एनेल ग्रीन पॉवर एवं नोरफंड के सहयोग से थार उन्नति परियोजना का क्रियान्वयन कर रही है। परियोजना के प्रथम वर्ष (जून, 2021 से मार्च, 2022) में कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पशुपालन, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के विकास, जल संरक्षण को लेकर परियोजना क्षेत्र में लगभग 40 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे लगभग 7000 की जनसंख्या लाभान्वित हुई है। परियोजना के तहत निम्न मुख्य गतिविधियों का संचालन किया गया –

- पशुपालन को बढावा देने और पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए परियोजना क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य जांच शिविर एवं टीकाकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 301 पशुपालक परिवार लाभान्वित हुए।
- वर्षा कम होने के कारण सूखे चारे की समस्या रहती है, जिससे आस–पास के राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा से सूखा चारा मंगाया जाता है, जो बहुत महंगा होता है और छोटे पशुपालक सूखे चारे को खरीदने में असमर्थ होते हैं। इस समस्या को कम करने के लिये ग्राम विकास समिति के सहयोग से धोलेरा गांव में चारा डिपो का संचालन प्रारम्भ किया गया।
- परियोजना के तहत 44 युवक एवं युवतियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण से जोड़ा गया।
- शिक्षा से ड्रॉप आऊट 40 विद्यार्थियों विशेषरूप से छात्राऐं को ओपन स्कूल के माध्यम से आगे की शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित कर फीस एवं शिक्षण सामग्री का सहयोग प्रदान किया गया।
- कोविड–19 के कारण पिछले 2 सालों से बच्चों की शिक्षा प्रभावित रही है, इसमें सुधार करने के लिए 4 स्थानों पर कोचिंग

कक्षाऐं संचालित की गई, जिसमें 95 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

- परियोजना क्षेत्र के धोलेरा गांव में महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 15 महिलाएं लाभान्वित हुई।
- युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करने और युवाओं के जीवन में खेल की उपयोगिता को देखते हुए परियोजना क्षेत्र के 10 युवा समूहों को खेल सामग्री उपलब्ध करवाई गई।
- विद्यालय एवं आंगनबाड़ी के विकास के लिए परियोजना क्षेत्र में आने वाले स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिये आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाये गये, जिससे 11 विद्यालय एवं 7 आंगनबाड़ी केन्द्रों के 2000 छात्र–छात्राऐं लाभान्वित हुई।
- पर्यावरण संरक्षण को लेकर परियोजना क्षेत्र में 3000 नीम और शीशम के छायादार पौधे गांव के 1378 परिवारों द्वारा लगाए गए।
- परियोजना क्षेत्र के 4 गांवों में बस स्टैण्ड पर प्रतीक्षायण का निर्माण करवाया गया।
- सार्वजनिक स्थानों पर 5 स्थानों पर 300 छायादार पौधे लगवाये गये, जिसकी सार–सम्भाल की परिश्रम जिम्मेदार स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है।

- कोविड–19 की स्थिति में 50 स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं को बुनियादी संसाधन जैसे– ऑक्सीमर, थर्मामीटर, दस्ताने, सेनेटाइज़र इत्यादि उपलब्ध करवाये गये।
- कोविड–19 से प्रभावित 550 अति गरीब परिवारों को राशन सामग्री उपलब्ध करवाई गई।
- क्षेत्र के 6 विशेष योग्यजन व्यक्तियों को रोजगार से सम्बन्धित संसाधनों का सहयोग प्रदान किया, जिससे उनके रोजगार में बढ़ोत्तरी के साथ–साथ आर्थिक स्थिति में भी बदलाव हुआ है।
- महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु 14 परिवारों को पोषण क्यारी का विकास करवाया गया।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जामसर में पीने के पानी की प्याऊ का निर्माण करवाया गया, जिससे 200–500 व्यक्ति जिसमें मरीज एवं उनके परिजन अपनी प्यास बुझाते हैं।
- जल संरक्षण को लेकर परियोजना क्षेत्र में आने वाले ऐसे परिवार जो वर्षों से पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे थे। ऐसे परिवारों के लिये 38 टांकों का निर्माण करवाया गया।

प्रगति प्रोजेक्ट – गडेपान

आजीविका व महिला सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर गडेपान (कोटा) में ''प्रगति'' प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है। मुख्यतः इस परियोजना में दो समुदाय आधारित संगठनों – कृति कॉपरेटिव सोसायटी एवं नव प्रगति फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी के साथ काम किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त महिला स्वयं सहायता समूह व वंचित वर्ग के साथ भी विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की जा रही है। इस परियोजना के तहत वर्ष 2021–22 के अंतर्गत निम्न महत्वपूर्ण प्रभाव देखे गए:–

- करीब 200 महिलाओं का कौशल विकास के माध्यम से क्षमतावर्धन हुआ। इसमें करीब 45 प्रतिशत महिलाएं सिलाई, पार्लर, आचार बनाने जैसे कार्यों से जुड़कर आय में वृद्धि कर रही हैं।
- एक हजार से अधिक महिलाऐं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं से लाभान्वित हुई हैं।
- पचास किशोरी बालिकाओं को न्यूनतम खर्चे पर RSCIT कोर्स से जोड़ा गया।
- विभिन्न पशु शिविरों के माध्यम से चार हजार से अधिक पशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया गया।
- सौ किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाया गया, जिससे उनकी आय व उत्पादन में वृद्धि हुई।
- कृति सोसायटी की महिला समूह को बैग सिलाई की मशीन उपलब्ध करवाई गई, जिससे कि स्थानीय बाजार में बैग बेचकर ये महिलाएं अपनी आय में वृद्धि कर रही है।
- नव प्रगति फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी को विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध करवाए गए हैं, जिससे कि किसानों के खर्चे में कमी आई है।

सिकोईडिकोन

सिकोईडिकोन (सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी) एक गैर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी। यह संगठन समाज के निर्धन और वंचित वर्गों की क्षमता निर्माण के कार्य के प्रति समर्पित है। संस्था कृषि, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जलवायु परिवर्तन से जुड़े विकास के विभिन्न मुद्दों पर राजस्थान के 11 जिलों में कार्य कर रही है। सिकोईडिकोन के प्रयासों और पहलों का दायरा राजस्थान में सहभागी समुदायों की क्षमता का निर्माण करने से लेकर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर रचनात्मक संवाद के मंच तैयार करने तक फैला हुआ है। अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में सिकोईडिकोन अपने बाह्य एवं सहयोगी संगठनों की भागीदारी से कार्य करता है। सतत् विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों की पैरवी करते हुए सिकोईडिकोन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने वाले नीति सम्बन्धी मुद्दों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रयासरत है।

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी

स्वराज परिसर, एफ-159-160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र सीतापुरा, जयपुर-302022 (राज.)
फोन : 0141- 2771855, 7414038811/22 फैक्स : 0141-2770330
ई-मेल : cecoedecon@gmail.com वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in